महत्वपूर्ण एवं खास

सरकार की बदहाली का परिणाम है आंखफोड़वा कांड

राजनांदगांव, (आरएनएस)। राजनांदगांव के क्रिश्चियन अस्पताल में हुए नेत्र ऑपरेशन से 34 मरीजों के सामने अंधत्व की समस्या आ खड़ी हुई है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेश बघेल ने कांग्रेस का एक जांच दल वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक एवं प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता के नेतृत्व में नेत्र चिकित्सक डॉ. विनय जयसवाल विधायक भोलाराम साहू, तेजकुंवर नेताम, ग्रामीण जिला अध्यक्ष नवाज खान, शहर जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीकिशन खण्डेलवाल आज अस्पताल प्रबंधन सी.एम.ओ. राजनांदगांव से चर्चा कर राज्यपाल के नाम कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश दुबे ने बताया कि कांग्रेस के जांच दल कांग्रेस भवन से कांग्रेसजनों के साथ सर्वप्रथम क्रिश्चियन हॉस्पिटल पहुंचकर प्रबंधन से विस्तारपूर्वक जानकारी ली उसके बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी से प्रकरण के संबंध में चर्चा की गई। जांच दल के प्रमुख डॉ. राकेश गुप्ता ने स्पष्ठ शब्दों में प्राथमिक रूप से उक्त घटना को सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं में बदहाली का परिणाम बताया उन्होने इस बात पर गंभीरता जताई की यह जिला मुख्यमंत्री का निर्वाचन जिला है उसके बाद भी जो सरकार स्मार्ट कार्ड से इलाज का दम्भ भरती है वहां सुदुर वनाचंल एवं आदिवासी क्षेत्र में आज भी स्मार्ट कार्ड गरीबों के नहीं बने है इस मामले में 101 मरीजों में से मात्र 20 लोगों के पास स्मार्ट कार्ड़ होने से सरकारी दावें की पोल भी खुली है। गुप्ता ने यह भी कहा कि आज घटना उजागर हुए 7 दिन होने बाद भी मुख्यमंत्री की बेसुधि और राजनांदगांव प्रवास के बाद भी मरीजों से नहीं मिलना उनकी संवेदनहीनता को दर्शाता है। प्रशासन को इस गंभीर घटना की जानकारी 1 मार्च को समाचार पत्र के माध्यम से होने की बात को भी अतिचिंतनीय बताते हुए पूरे प्रशासनिक तंत्र को कटघरे में खडे किया । बीमा कम्पनी को फायदा पहुंचाने के लिए ही स्मार्ट कार्ड योजना लागू की गई है छ.ग. नकली दवाईयों का केन्द्र बिन्दु बन गया है क्योकि पूर्व में हुए आंखफोडवा कार्ड, नसबंदी कांड में नकली दवाईयों की बात सामने आई थी उसके बाद भी राज्य सरकार उस मामले में मौन बैठकर आपराधिक कृत्य को संरक्षित किये हुए है। जांच दल में शामिल डॉ. विनय जयसवाल ने जिला चिकित्सालय में इलाज नहीं होने की बात सुनकर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदेश सरकार की बदहाली का घनघोर उदाहरण है। इस बात से यह भी साबित हो जाता है कि जिले की स्वास्थ्य सुविधा कितनी लचर है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नेत्र चिकित्सा का समुचित अभाव है जिसके चलते मरीज निजी चिकित्सालयों में इलाज के लिए बेबस है।

युवाओं को व्यवसाय करने के लिए मिलेगा निःशुल्क तकनीकी प्रशिक्षण

रायपुर, (आरएनएस)। अंत्यावसायी व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र रविशंकर विश्वविद्यालय परिसर रायपुर द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक व युवितियों को स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए निःशुल्क तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके लिए आगामी 20 मार्च तक आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। युवाओं को व्यवसाय स्थापित करने के लिए कम्प्यूटर हार्डवेयर, इलेक्ट्रिकल, टू व्हीलर रिपेयरिंग, इलेक्ट्रानिक्स, गॉरमेंट मेकिंग टेउ्ढो में एमईएस कोर्स के तहत निःशुल्क तकनीकी प्रशिक्षण मुहैया कराया जाएगा। विभिन्न प्रशिक्षणों के लिए युवाओं की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 5वीं, 8वीं एवं 10 वीं उतीर्ण है। आवेदक छत्तीसगढ़ का मूल निवासी और आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य होना चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान रहने के लिए छात्रावास की व्यवस्था रहेगी। आवेदन पत्र जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति रायपुर कमरा नं. 34 से एवं प्रबंधक अंत्यावयिक प्रशिक्षण केन्द्र पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय परिसर (पुराना आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग) रायपुर से प्राप्त कर वहीं जमा किये जाएंगे। आवेदन सादे कागज में 20 मार्च तक जमा किए जा सकते है। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 0771-2262001 और 9630981972 में संपर्क किया जा सकता है।

अवैध रूप से कोयला डंप कर रहा ट्रक पकड़ाया

बिलासपुर, (आरएनएस)। शहर के जरहाभाठा स्थित सिंधी कालोनी एक ट्रक से कोयला डंप करने की शिकायत पर पहुंची सिविल लाइन पुलिस ने कोयला डंपिंग का काम रुकवाकर ट्रक को थाने ले आयी। वही ट्रक मालिक से संबंधी दस्तावेज की जांच की जा रही है। सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस की टीम आज 11.30 बजे सिंधी कालोनी पहुंची। जहां ट्रक क्रमांक सीजी 07, बीए 8789 से प्लांट में कोयला डंप किया जा रहा था। पुलिस की टीम ने कोयला डंपिंग का काम रुकवाकर मामले की जांच की। सिविल लाइन पुलिस ने बताया कि झारखंड से ट्रक में कोयला लाकर डंप किया जा रहा था। कोयला डंप करने के संबंध में दस्तावेजों की जांच की जा रही है। बताया जाता है कि सिंधी कालोनी के एक व्यापारी के द्वारा रिहायशी इलाके से कोयला बेचने का धंधा करता है। इसके लिये कालोनी में ही अपने घर के सामने एक प्लाट लेकर कोयला डंप करवाता है। यहां आये दिन ट्रक भरकर कोयला आता है। जिसे प्लाट में डंप कर बेचा जाता है। वही मोहल्लेवासियों का कहना है कि फैक्ट्री का जला कोयला आता है। जिसे प्लाट में डंप कर बेचा जाता है। वहीं मोहल्लेवासियों का कहना है कि फैक्ट्री का जला कोयला बताकर पत्थर कोयला बेचा जाता है। इसकी शिकायत पूर्व में भी पुलिस से की जा चुकी है।

धमतरी जिले में 44 हजार महिलाएं समूह के जरिये संवार रहीं अपना जीवन

धमतरी, (आरएनएस)। महिलाएं भी अब पुरूषों के बराबर काम कर आत्मनिर्भर बनती जा रही हैं। शासन और प्रशासन भी उन्हें आगे बढ़ने के लिए हर संभव मदद कर रहा है। जिले की 43 हजार 622 महिलाएं समूह बनाकर स्वरोजगार से जुड़ चुकी हैं। शहर की 173 महिलाएं घर-घर कचरा कलेक्शन का कार्य कर हर महीने 5 से 6 हजार रूपए कमा रहीं हैं। एक जमाने में महिलाएं घर से बाहर निकलने के लिए डरती थीं। लेकिन यह डर धीरे-धीरे जाता रहा। अब महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानून के बाद वे खुलकर हर क्षेत्र में सामने आ रहीं हैं। महिलाओं की दशा में सुधार भी आया है। वहीं समूह के माध्यम से स्वरोजगार जैसे कामकाज से परिवार की जिंदगी बदलने लगी है। महिलाओं के आत्मनिर्भरता के कारण समाज में उन्हें यथोचित सम्मान भी मिल रहा है। महिलाओं की जागरूकता के पीछे प्रमुख कारण शिक्षा को माना जा रहा है। गांव में रहने वाली महिलाएं भी समूह के जरिये स्वरोजगार अपना रहीं हैं। जिसके तहत महिलाएं रेडी टू ईट, मध्यान्ह भोजन, डिटर्जेंट पावडर बनाने के साथ-साथ स्कूल ड्रेस की सिलाई, टेंट किराया भंडार का संचालन कर रही हैं। महिला समूह से जुड़ी जिला पंचायत सदस्य श्यामा साहू रूद्री का मानना है कि महिलाओं में जागरूकता आने से उनमें आत्मनिर्भरता बढ़ी है। पीड़ित महिलाओं की सुनवाई भी पुलिस के समक्ष होने लगी है। गोकुलपुर की शारदा साहू, रामपुर की निर्मला साहू, सेहराडबरी की गायत्री साहू के मुताबिक सामूहिकता में सभी को काम करने का बल मिलता है। जिसमें 43 हजार 622 महिलाओं ने जुड़कर स्वरोजगार अपनाया है। धमतरी शहर में गत माह तक 185 समूह गठित हुआ। जिसमें 2064 महिलाएं शामिल हैं। इसी तरह धमतरी के 136 गांवों में 942 महिला समूह का गठन किया गया है जिसमें 11 हजार 841 महिलाएं शामिल हैं। कुरूद क्षेत्र के 174 गांव में 793 महिला समूह गठित है। जिसमें 9425 सदस्य बनी है। नगरी क्षेत्र के 183 गांव में 794 महिला समूह के 16 हजार 774 महिलाएं एवं मगरलोड क्षेत्र के 322 गांव में 322 समूह के अंतर्गत 4018 महिलाएं जुड़कर अपना व अपने परिवार का जीवन संवार रहीं हैं। अधिकांश महिला समूह बैंक से लोन लेकर स्वरोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही हैं। 173 महिलाएं रिक्शा चलाकर कलेक्शन करती हैं कचरा शहर में स्वच्छता को आगे बढ़ाने में महिलाओं का विशेष योगदान है। 173 महिलाएं सुबह से पैडल रिक्शा लेकर वार्डों में घर-घर कचरा कलेक्शन करने निकल जाती हैं। कचरा कलेक्शन के एवज में नगर निगम द्वारा उन्हें 5 हजार रूपए हर महीने मानदेय दिया जाता है। इसके अलावा कचरे से मिलने वाले कबाड़ सामग्री से उन्हें प्रतिदिन 150 से 200 रूपए की अतिरिक्त आय प्राप्त हो जाती है। नशामुक्ति अभियान को आगे बढ़ाने के लिए शासन ने भारत वाहिनी का गठन किया है। जिसमें अधिकांशतः महिलाएं हैं। इसके अलावा प्रत्येक गांव और शहर के वार्डों में महिला कमाण्डो टीम बनी हैं। कमाण्डो से जुड़ी महिलाएं अनिता मेहता भटगांव, टिकेश्वरी साहू सोरम, सुलोचना साहू देवपुर, गायत्री साहू, धर्मिन, उत्तरा ध्रुव रूद्री के मुताबिक गांवों में अवैध शराब, गांजा की बिक्री को रोकने के साथ-साथ शराबखोरी कर माहौल खराब करने वाले लोगों को रोकने के लिए महिला कमाण्डो का गठन किया गया है। महिला कमाण्डो की जागरूकता से ही नशामुक्ति अभियान आगे बढ़ पाया है।

तीन आतंकियों पर अमेरिका ने रखा 70 करोड़ का इनाम

वॉशिंगटन,(आरएनएस)। अफगानिस्तान और उसके आसपास पनप रहे आतंकवाद पर अमेरिका फिर से सख्त होता दिख रहा है। ड्रोन हमले के बाद अब अमेरिका ने तीन बड़े पाकिस्तानी आतंकियों की जानकारी देनेवालों को इनाम देने की घोषणा की है। कुल मिलाकर इनाम की रकम 70 करोड़ रुपए है। अमेरिकी गृह मंत्रालय द्वारा जारी सूचना के मुताबिक, मुल्ला फजलुल्लाह, अब्दुल वली और मनाल वाघ की जानकारी देनेवालों को इनाम दिया जाएगा। मुल्ला पर 5 मिलियन डॉलर (तकरीबन 32 करोड़ रुपए) और बाकी दोनों पर तीन-तीन मिलियन डॉलर (करीब 19-19 करोड़ रुपए) का इनाम है। बता दें कि इससे पहले अमेरिका ने अफगानिस्तान पर ड्रोन हमला किया था, जिसमें कथित तौर पर मुल्ला का बेटा भी मारा गया है। उस हमले में 21 विद्रोहियों के मारे जाने की बात कही जा रही है। फजलुल्लाह के साथियों ने पाकिस्तानी इतिहास के सबसे घातक आंतकवादी घटना को अंजाम दिया था। उस हमले में आतंकवादियों ने पाकिस्तान के पेशावर में एक आर्मी पब्लिक स्कूल पर हमला किया था। इस घटना में 130 से ज्यादा बच्चों समेत 151 लोग मारे गए थे। वहीं,

कौन है मुल्ला फजलुल्लाह

मुल्ला तहरीक ए तालिबान का प्रमुख है। वह कई आतंकी साजिशों में शामिल रहा है। उसने ही मलाला युसुफजई पर हमला करवाया था। कथित तौर पर उसने 2010 में न्यू यॉर्क के टाइम्स स्कॉयर में भी हमला करने का प्लान बनाया था, लेकिन वह विफल रहा।

अब्दुल वली अफगानिस्तान के नंगरहार और कुनार प्रांत से अपनी गतिविधियां चलाता है। वली के नेतृत्व में जमात-उल- अहरार पंजाब प्रांत में टीटीपी के सबसे सक्रिय नेटवर्क में से एक है, जिसने पूरे पाकिस्तान में कई हमलों और आत्मघाती हमलों की जिम्मेदारी ली है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक मनाल वाघ और उसका समूह मादक पदार्थों की तस्करी, अपहरण, नाटोके काफिलों पर छापेमारी और पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पार से होने वाले व्यापार पर लगने वाले कर से पैसा कमाते हैं। पहले आ चुकी हैं मारे जाने की खबरें बता दें कि इससे पहले कई बार मुल्ला के मारे जाने की खबरें भी आती रही हैं, फिर बाद में वे गलत निकलती हैं। माना जा रहा है कि वह अफगानिस्तान में कहीं छिपा हुआ है।

इच्छा मृत्यु की वसीयत को कानूनी मान्यता

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में मरणासन्न व्यक्ति द्वारा इच्छा मृत्यु के लिए लिखी गई वसीयत (लिविंग विल) को गाइडलाइन्स के साथ कानूनी मान्यता दे दी है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि मरणासन्न व्यक्ति को यह अधिकार होगा कि कब वह आखिरी सांस ले। कोर्ट ने कहा कि लोगों को सम्मान से मरने का पूरा हक है। लिविंग विल एक लिखित दस्तावेज होता है जिसमें कोई मरीज पहले से यह निर्देश देता है कि मरणासन्न स्थिति में पहुंचने या रजामंदी नहीं दे पाने की स्थिति में पहुंचने पर उसे किस तरह का इलाज दिया जाए। पैसिव यूथेनेशिया (इच्छा मृत्यु) वह स्थिति है जब किसी मरणासन्न व्यक्ति की मौत की तरफ बढ़ाने की मंशा से उसे इलाज देना बंद कर दिया जाता है। चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पांच जजों की पीठ ने पिछले साल 11 अक्टूबर को इस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। पांच जजों की बेंच आज इस बात पर फैसला सुनाया। इस बेंच में चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस एके. सिकरी, जस्टिस एएम. खानविलकर, जस्टिस डीवाई. चंद्रचूड़ और जस्टिस अशोक भूषण शामिल थे। अब कोई मरणासन्न शख्स लिविंग विल के जरिए अग्रिम रूप से बयान जारी कर यह निर्देश दे सकता है कि उसके जीवन को वेंटिलेटर या आर्टिफिशल सपॉर्ट सिस्टम पर लगाकर लम्बा नहीं किया जाए।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन और मृत्यु को अलग नहीं किया जा सकता। हर क्षण हमारे शरीर मे बदलाव होता है। बदलाव एक नियम है। जीवन को मौत से अलग नहीं किया जा सकता। मृत्यु जीने की प्रक्रिया का ही हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने पैसिव यूथेनेशिया और लिविंग विल को मान्यता देते हुए कहा कि ये राइट टू लाइफ का पार्ट है।

उडऩदस्ता दलों ने किया 25 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

राजनांदगांव, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा 2018 के अंतर्गत आज 7 मार्च 2018 को कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा के पर्यावरण विषय का प्रश्न पत्र के अंतर्गत जिला में गठित उडऩदस्ता दल ने लगभग 25 परीक्षा केन्द्रों में दबिश दी। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के अलावा कलेक्टर भीम सिंह के निर्देशानुसार जिला एवं विकासखंड स्तरीय उडऩतदस्ता दल का गठन किया गया है। जिला स्तरीय उडऩदस्ता दल क्रमांक 2 के प्रभारी सहायक आयुक्त आदिवासी विकास तारकेश्वर देवांगन के दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला हरदी, सुरगी, भर्रेगांव, सोमनी, सिंघोला, टेड़ेसरा एवं कन्हारपुरी का निरीक्षण किया गया। इसी तरह दल क्रमांक 3 के प्रभारी उप संचलाक पशु चिकित्सा सेवाएं आर.के. सोनवानी के दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला चिरचारीकला, छुरिया, चिचोला, तिलईरवार, टप्पा, तुमड़ीबोड़, कोहका, गैंदाटोला एवं बेलरगोंदी का निरीक्षण किया गया। इसी तरह दल क्रमांक 5 के प्रभारी सहायक संचालक कृषि टिकम सिंह ठाकुर के दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बढ़ईटोला, अमलीपारा, मदराकुही, जालबांधा, कामठा एवं बालक खैरागढ़ का निरीक्षण किया गया। जिला स्तरीय उडऩदस्ता दलों द्वारा आज निरीक्षण किए गये सभी 25 परीक्षा केन्द्रों में किसी भी प्रकार का नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. भारद्वाज ने बताया कि आज हाईस्कूल परीक्षा के पहला दिन जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संचालित हुई। माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा 8 मार्च 2018 को 10वीं बोर्ड की हिन्दी विषय की परीक्षा होगी।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पाकिस्तान को घेरा

जिनेवा, (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर करारा जवाब दिया है। दरअसल, जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 37वें सत्र में पाकिस्तान ने कश्मीर में कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन का मामला उठाया था। इस पर जवाब देने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए भारत ने गुरुवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की यह आदत बन चुकी है कि वह भारत के आंतरिक मामलों में दखल देते हुए जम्मू और कश्मीर प्रांत को लेकर परिषद को गुमराह करने की कोशिश करता है। भारतीय प्रतिनिधि ने पाकिस्तान के इस रवैये पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान के कथित मानवाधिकारों से जुड़े आरोपों पर भारत ने कहा, परिषद को यह मालूम होना चाहिए कि यह मानवाधिकारों को लेकर झूठी चिंता उस देश की ओर से जताई जा रही है जिसने बलूचिस्तान, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों पर जुल्म किए हैं। पाकिस्तान लंबे समय से मानवाधिकारों की बातकर अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और आतंकवाद को अपनी स्टेट पॉलिसी के तौर पर इस्तेमाल को छिपाने की कोशिश करता रहा है। भारत ने बिंदुवार तरीके से पाकिस्तान की सच्चाई को दुनिया को सामने रखा। भारत ने कहा, आतंकवाद मानवाधिकारों का सबसे बड़ा उल्लंघन है। भारत के प्रांत जम्मू और कश्मीर की असली समस्या आतंकवाद है, जिसे पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले इलाके से फैलाया जा रहा है। भारत ने यूएनएचआरसी के अध्यक्ष से अनुरोध किया कि परिषद पाकिस्तान से सीमा पार से जारी घुसपैठ, आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त करने, टेरर फंडिंग रोकने और पीओके के लोगों को आजादी देने के लिए अपना गैरकानूनी कब्जा छोड़ने को कहे। इसके साथ ही भारत ने पाक में अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित किए जाने का भी मुद्दा उठाया। भारत ने कहा कि पाक में हिंदुओं, सिखों और ईसाइयों को ईशनिंदा कानून के झूठे आरोपों में फंसाया जाता है। अल्पसंख्यकों का धर्म परिवर्तन खासतौर से लड़कियों की जबरन शादी की घटनाएं नहीं रुक रही हैं।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- मराठा साम्राज्य का संस्थापक कौन था। शिवाजी
- भागवद्गीता योगवशिष्ठ उपनिषद् एवं रामायण का फारसी अनुवाद किसने करवाया। दाराशिकोह
- धरमट का युद्ध किसके बीच हुआ। दाराशिकोह एवं औरंगजेब के मध्य
- औरंगजेब को किस नाम से जाना जाता था। जिंदा पीर
- शिवाजी द्वारा लगाए गए दो कर कौन से थे। सरदेशमुखी
- लम्पट मूर्ख किसे कहा जाता था। जहांदार शाह को
- रंगीला बादशाह किसे कहा जाता था। मुहम्मदशाह को
- ईरान का नेपोलियन किसे कहा गया। नादिरशाह को
- मुगल दरबार में आने वाला प्रथम अंग्रेज कौन था। कैप्टन हॉकिन्स
- गुरुमुखी लिपि का आरंभ किसने किया। गुरु अंगद ने
- खालसा पंथ की स्थापना किसने की। गुरु गोविन्द सिंह ने
- फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना किसने की। लार्ड वेलेजली ने
- भारत में पहली बार सार्वजनिक निर्माण विभाग की स्थापना किसने की। लार्ड डलहौजी ने
- अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना किसने की। लॉर्ड मेयो
- भारत के उद्धारक की संज्ञा किसे दी गई। लॉर्ड रिपन
- शिमला समझौता कब हुआ। 1972
- स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल कौन था। लॉर्ड माउंटबेटन
- तात्या टोपे का वास्तविक नाम क्या था। रामचन्द्र पांडुरंग
- इंग्लैंड में भारतीय सुधार समिति की स्थापना किसने की। दादा भाई नौरोजी
- जलियांवाला बाग हत्याकांड में जनरल डायर का सहयोग करने वाले भारतीय का नाम बताओ। हंसराज
- मेवाड़ में भील आंदोलन का नेतृत्व किसने किया। मोतीलाल तेजावत
- साइमन कमीशन को और किस नाम से जाना जाता है। वाइट मैन कमीशन
- प्रथम गोलमेज सम्मेलन कब हुआ। 12 सितम्बर 1930
- तरुण स्त्रीसभा का स्थापना कहां की गई थी। कलकत्ता
- मनुष्य ने सर्वप्रथम किस धातु का प्रयोग किया। तांबा
- भारत का भूगोल नामक पुस्तक किसने लिखी। टॉलमी
- सुभाष चंद्र बोस का सर्वप्रथम नेताजी किसने कहा था। एडोल्फहिटलर
- महात्मा गांधी को अधनंगा फकीर किसने कहा था। चर्चील
- बल्लभ भाई पटेल को सरदार की उपाधि किस आंदोलन के बाद प्रदान की थी। बारदोली सत्याग्रह
- जय हिंद का नारा किसने दिया था। सुभाष चंद्र बोस
- भारत को तलवार के बल पर विजित किया गया है और तलवार के बल ही इसकी रक्षा की जाएगी यह कथन है। लॉर्ड एल्गिन
- जनवरी 1879 में ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया को किस उपाधी से सम्मानित करने के लिए दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया। कैसर.ए.हिंद
- चौदहवीं लोकसभा के अध्यक्ष कौन थे। सोमनाथ चटर्जी
- सरिस्का में बाघों के विलुप्त होने की घटना की जांच हेतु केंद्र सरकार ने किसकी अध्यक्षता में कार्यदल बनाया है। सुनिता नारायण

मॉल में 9 साल की मासूम से रेप

इंदौर, (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन मध्य प्रदेश का इंदौर शहर एक शर्मनाक घटना का गवाह बना है. यहां सबसे बड़े मॉल के गेमिंग जोन में 9 साल की मासूम से रेप का मामला सामने आया है. बच्ची के शोर मचाने पर गेमिंग जोन कर्मचारी की शर्मनाक हरकत का पता चला. इसके बाद आक्रोशित परिजनों और मॉल में मौजूद लोगों ने आरोपी की पिटाई करते हुए उसे पुलिस के हवाले कर दिया. मामला शहर के जूनी इंदौर इलाके में रहने एक कारोबारी के परिवार से जुड़ा है. कारोबारी की पत्नी अपने 12 साल के बेटे और 9 साल की बेटी के साथ ट्रेजर आईलैंड मॉल में घूमने आई थी. अमूमन मॉल में आने वाली कारोबारी की पत्नी दोनों बच्चों की जिद पर उन्हें गेम जोन में छोड़ दिया और खुद शॉपिंग करने लगी.दोनों भाई-बहन मास्क और चश्मा लगाकर संगीत के तेज शोर और अंधेरे वाले वर्चुअल गेम जोन के अंदर अलग-अलग खेलने लगे. तभी 9 साल की मासूम की चीख सुनकर हर कोई हैरान हो गया. सभी लोग बच्ची के पास पहुंचे तो हैरान करने वाला खुलासा हुआ. उसके कपड़ों में खून लगा हुआ था और गेम जोन के एक कोने में फर्श पर भी जगह-जगह खून फैल गया था. बताया जा रहा है कि आरोपी ने मासूम के साथ अश्लील हरकत की और गलत हरकत करने लगा तभी बच्ची ने शोर मचा दिया. उसने ही भारी भीड़ के बीच इशारा करते हुए आरोपी की पहचान की. पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया. वहीं, मेडिकल परीक्षण और चश्मदीद के बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोपी अर्जुन के खिलाफ पॉस्को एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है.